आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 76 | उज्जैन, गुरुवार 06 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

बच्चों में भगवान का वास है, इन्हें खुश रखना ईश्वर को प्रसन्न रखने के समान-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने नन्हीं खुशियां कार्यक्रम के अंतर्गत हर्षिनी फाउंडेशन के बच्चों से की बातचीत और भोपाल भ्रमण के लिए किया रवाना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में सर्वजन हिताय~ सर्वजन सुखाय~ और सर्वे भवन्तु सुखिन~-सर्वे संतु निरामय~ का विचार जन-जन में व्याप्त है। बच्चों में भगवान का वास है, इन्हें खुश रखना ईश्वर को प्रसन्न रखने के समान है। समाज की मुख्य धारा से पीछे रह जाने वाले बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने, उनका हौंसला बढ़ाने के लिए व्यक्ति और संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयास निश्चित ही अनुकरणीय हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नन्ही खुशियां कार्यक्रम के अंतर्गत

मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में यह विचार व्यक्त किए। जागरण प्रकाशन समूह की इकाई नव दुनिया द्वारा अपने सामाजिक सरोकारों के क्रम में नन्हीं खुशियां कार्यक्रम पिछले वर्षों से 11किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर हर्षिनी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के बच्चों से संवाद के अंतर्गत उनके शालेय अनुभव तथा अन्य रूचियों के संबंध में बातचीत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बच्चों के वाहनों के काफिले को झंडी दिखाकर भोपाल भ्रमण के लिए रवाना किया। बच्चों की दिनभर की गतिविधियों के अंतर्गत विधानसभा भ्रमण, पलाश होटल और ताज होटल की विजिट, फिल्म देखना, हाई-टी और पलाश होटल में दिन का भोजन शामिल है। इस अवसर पर विधायक श्री रामेश्वर शर्मा उपस्थित थे।

25 महिलाएं, 12 नाबालिग और एक चार साल का बच्चा... अमेरिका से निकाले गए भारतीयों में किस उम्र के ज्यादा लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था उस दौरान और बढ़ गई जब दोपहर करीब 2 बजे अमेरिका का एक सैन्य विमान हवाई पट्टी पर उतरता दिखा। आज दोपहर 104 अवैध भारतीय अप्रवासियों के पहले जत्थे को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान अमृतसर पहुंचा। इस विमान में 30 लोग हरियाणा, 30 गुजरात और 30 ही लोग पंजाब के थे।

अमेरिका का सैन्य विमान सी-17 विमान कड़ी सुरक्षा के बीच श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। इस जत्थे में दो लोग उत्तर प्रदेश और दो ही लोग चंडीगढ़ के थे, जबकि तीन महाराष्ट्र से थे। निर्वासितों में 25 महिलाएं और 12 नाबालिग भी शामिल हैं, जिनमें सबसे कम उम्र का यात्री सिर्फ चार साल का था।

अड़तालीस लोग 25 वर्ष से कम उम्र के हैं। मंगलवार को टेक्सास से उड़ान भरने वाले इस विमान में 11 चालक दल के सदस्य और निर्वासन प्रक्रिया की निगरानी करने वाले 45 अमेरिकी अधिकारी भी थे। पंजाब में इन जिलों के रहने वाले थे लोग

पंजाब के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राज्य से निर्वासित ज्यादातर लोग गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन, जालंधर, नवांशहर, पटियाला, मोहाली और संगरूर के हैं उन्हें टेक्सास के सैन एंटोनियो से उड़ान भरने वाले सी-17 विमान से वापस भेजा गया।

भारत को बांग्लादेश से सीमा पार अपराधों पर अंकुश की उम्मीद, केंद्र सरकार बोली- उठाएंगे सख्त कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बांग्लादेश को स्पष्ट कर दिया है कि वह पड़ोसी देश से सीमा-पार अपराधों के खात्मे के लिए समुचित कदम उठाएगा। केंद्र सरकार ने लोकसभा में बताया कि बांग्लादेश से लगी लगभग 864.482 किलोमीटर की सीमा पर अभी भी बाड़ लगाई जानी बाकी है और इसमें 174.514 किलोमीटर की गैर-व्यवहार्य खाई भी शामिल है।

तृणमूल कांग्रेस सांसद ने उठाया सवाल- भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगानेके बारे में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सजदा अहमद द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री (एमओएस) नित्यानंद राय ने मंगलवार को बताया कि भारत दोनों सरकारों और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बार्डर गार्ड बांग्लादेश के बीच सभी प्रोटोकाल और समझौतों का पालन करता है।

बांग्लादेश द्वारा सभी पूर्व समझौतों को लागू किया जाएगा

राय ने अपने लिखित उत्तर में कहा, भारत सरकार की उम्मीद है कि बांग्लादेश द्वारा सभी पूर्व समझौतों को लागू किया जाएगा और सीमा पार अपराधों से निपटने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण अपनाया जाएगा।

याद रखना पहले मतदान, फिर जलपान; पीएम मोदी और अमित शाह की वोटरों से अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आज मतदान शुरू हो गया है। दिल्ली की सभी 70 सीटों पर वोटिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई। इस बीच पीएम मोदी और अमित शाह ने लोगों से खास अपील की है।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, दिल्ली विधानसभा चुनाव में आज सभी सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। यहां के मतदाताओं से मेरा आग्रह है कि वे लोकतंत्र के इस उत्सव में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लें और अपना कीमती वोट जरूर डालें।

इस अवसर पर पहली बार वोट देने जा रहे सभी युवा साथियों को मेरी विशेष शुभकामनाएं। याद रखना है- पहले मतदान, फिर जलपान!

सड़कों और गंदे पानी के खिलाफ वोट करें- वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, दिल्ली विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए जा रहे बहनों-भाइयों से अपील करता हूँ कि वे झूठे वादों, प्रदूषित यमुना, शराब के ठेकों, टूटी सड़कों और गंदे पानी के खिलाफ वोट करें।

अमित शाह की खास अपील- अमित शाह ने आगे लिखा, एक ऐसी सरकार बनाने के लिए बढ़-चढ़कर मतदान करें, जिसके पास जनकल्याण का मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड हो और दिल्ली के विकास का स्पष्ट विजन भी हो। आपका एक वोट दिल्ली को दुनिया की सबसे विकसित राजधानी बना सकता है। पहले मतदान करें, फिर जलपान करें।

बिहारशरीफ में फ्लाईओवर के निर्माण में क्यों हो रही देरी? सामने आई वजह

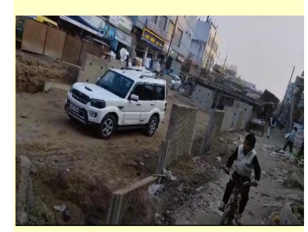

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहारशरीफ में बनने वाले फ्लाई ओवर का विवादों से गहरा नाता है। तमाम विवादों के बावजूद फ्लाई ओवर का करीब 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

अधिकांश जगहों पर गार्डर भी चढ़ा दिए गए है। लेकिन भरावपर संकीर्णता होने की वजह से गार्डर चढ़ाने में समस्याएं आ रही है। वहीं इस मामले में स्थानीय लोगों का भी विरोध है।

ऐसे में स्मार्ट सिटी के समक्ष समस्या आ पड़ी है। इस समस्या से निजात पाने का एकमात्र तरकीब स्लैब कास्टिंग है। स्लैब कास्टिंग के तहत स्लैब की ढलाई फ्लाई ओवर पर ही की जाती है। इसमें तकरीबन 50 से 60 लाख अतिरिक्त खर्च की उम्मीद है। ऐसे में स्मार्ट सिटी के द्वारा इस पर विचार किया जा रहा है।

वहीं फ्लाई ओवर के नीचे बनने वाली सड़क तथा ड्रेनेज का काम अब तक आधा-अधूरा है। कारण अतिक्रमण। अतिक्रमण की वजह से एजेंसी को काम करने में समस्या आ रही है। अतिक्रमण करने वाले 30 लोगों को अब तक नोटिस भेजा जा चुका है। जिस पर काफी विवाद हो चुका है। स्थानीय विधायक ऐसे लोगों के साथ खड़े दिख रहे हैं तथा नगर निगम के नक्शे को त्रुटिपूर्ण बता रहे हैं। मालूम हो फ्लाई ओवर के निर्माण पर कुल 73 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जानी है। शुरुआत में जब इस परियोजना का ड्राफ्ट तैयार किया गया था तो शहर के व्यापारियों ने इस पर विरोध भी जताया था।

समंदर में दुश्मन का हर वार होगा नाकाम, भारत रूस से खरीदेगा एंट्री क्रूज मिसाइलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को रूस के साथ एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों की खरीद के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह कदम भारतीय नौसेना के पनडुब्बी बेड़े की लड़ाकू क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में अनुबंध पर हस्ताक्षर की घोषणा की। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। पोस्ट में कहा गया, रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों की खरीद के लिए रूस के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

क्या है संयुक्त राष्ट्र का ऑनर रोल? जिम्मेदार भारत को फिर मिला खास सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र के ऑनर रोल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। इसने बताया कि भारत ने समय पर अपनी नियमित बजट देनदारी का भुगतान कर दिया है। वित्तीय नियम 3.5 के तहत निर्धारित 30 दिनों की अवधि के भीतर यह भुगतान किया गया, जिससे भारत उन चुनिंदा सदस्य देशों में शामिल हो गया जिन्होंने वित्तीय प्रतिबद्धताओं को समय पर पूरा किया है।

मिशन द्वारा जारी बयान में कहा गया, भारत एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र के ऑनर रोल में शामिल हुआ है। यह उन देशों की सूची है जिन्होंने नियमित बजट योगदान का भुगतान तय समय-सीमा में पूरा कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रत्येक वर्ष दिसंबर में अपने नियमित बजट को मंजूरी देती है, जिसके बाद सदस्य देशों से स्केल ऑफ असेसमेंट के आधार पर वित्तीय योगदान मांगा जाता है। इसके अनुसार, सदस्य देशों को जनवरी की शुरुआत में भुगतान नोट जारी किया जाता है, जिसे समय पर चुकाने वाले देशों को ऑनर रोल में शामिल किया जाता है।

भारत ने लगातार इस सूची में अपनी जगह बनाए रखी है। बयान में कहा गया, संयुक्त राष्ट्र को समय पर योगदान देना भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह न केवल संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों के प्रति भारत की निष्ठा को दर्शाता है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र की वित्तीय स्थिरता और प्रभावी संचालन को बनाए रखने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दिखाता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की इस सक्रिय भागीदारी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी जिम्मेदार सदस्यता और वैश्विक कूटनीति में उसके योगदान के रूप में देखा जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र का ऑनर रोल उन देशों की एक विशेष सूची है, जो अपनी नियमित बजट देनदारी को तय समय सीमा में पूरा कर देते हैं। इसका मतलब यह है कि जो देश संयुक्त राष्ट्र द्वारा मांगी गई धनराशि को 30 दिनों के अंदर जमा कर देते हैं, उन्हें इस सम्मानसूची में शामिल किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र हर साल दिसंबर में अपना बजट तय करता है और फिर जनवरी की शुरुआत में सभी सदस्य देशों को उनकी देनदारी की जानकारी भेजता है। जो देश इस रकम को समय पर चुका देते हैं, उन्हें ऑनर रोल में जगह मिलती है।

अमेरिकी सरकार का हो जाएगा टिकटॉक? चीन पर दबाव के लिए क्या प्लान बना रहे ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार दुनियाभर के देशों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए वे टैरिफ वॉर और दूसरे सख्त तरीके अपना आ रहे हैं। उनके सबसे ज्यादा निशाने पर चीन है, जो अमेरिका के बाद दुनिया की दूसरे सबसे बड़ी इकोनॉमी भी है। ट्रंप ने चीन से होने वाले आयात पर 10 फीसदी टैरिफ का एलान किया है और अब वह चीन की टिकटॉक को खरीदने का भी प्लान बना रहे हैं।

ट्रंप ने एक सॉवरेन वेल्थ फंड बनाने का आदेश दिया है। इसकी रकम का इस्तेमाल टिकटॉक जैसी कंपनियों में निवेश किया जा सकेगा। इस फंड की कुल राशि 900 बिलियन डॉलर (करीब 78.37 लाख करोड़ रुपये) हो सकती है। अगर ट्रंप सॉवरेन फंड के जरिए टिकटॉक का मालिकाना हक अमेरिका के पास लाने सफल रहते हैं, तो इस रणनीति का इस्तेमाल अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और चीन की कंपनियों पर आर्थिक दबाव बनाने के लिए किया जाएगा।

सॉवरेन वेल्थ फंड क्या होता है- सॉवरेन यह एक सरकारी निवेश कोष होता है, जो शेयर बाजार, रियल एस्टेट और अन्य संपत्तियों में निवेश करता है। कई देशों के पास पहले से सॉवरेन फंड हैं।

इनमें सऊदी अरब, चीन, सिंगापुर, नॉर्वे और कतर शामिल हैं। हालांकि, अमेरिका में अभी तक ऐसा कोई राष्ट्रीय फंड नहीं था। अब अमेरिका भी इस फंड के जरिए विदेशी कंपनियों में निवेश कर सकता है या अमीर निवेशकों के साथ साझेदारी कर सकता है।

टिकटॉक में हिस्सेदारी क्यों चाहता है अमेरिका- ट्रंप प्रशासन का मानना है कि अगर अमेरिका अपने सॉवरेन फंड से टिकटॉक में 50 फीसदी हिस्सेदारी खरीद लेता है, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहतर होगा। टिकटॉक की मालिक चीनी कंपनी बाइटडांस को अमेरिकी कानून के तहत अपना अमेरिकी कारोबार बेचना होगा। AI स्टार्टअप Perplexity AI ने टिकटॉक को अमेरिका की कंपनी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन के अनुसार, फंड अगले एक साल में शुरू किया जा सकता है।

अमेरिका के लिए यह फैसला क्यों अहम है- अमेरिकी सरकार का चीन की टिकटॉक के साथ लंबे समय से डेटा सिक्योरिटी को लेकर विवाद था।

ट्रंप ने पहले टिकटॉक को 75 दिनों के भीतर किसी अमेरिकी कंपनी को बेचने की चेतावनी दी थी।

ट्रंप का बयान हास्यास्पद, हमास का US राष्ट्रपति को चैलेंज; क्यों गाजा पट्टी पर कब्जा करना चाहता है अमेरिका?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा पट्टी को लेकर एक बयान दिया है, जिसकी वजह से मिडिल ईस्ट में खलबली मच गई है। मंगलवार को व्हाइट हाउस में इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ एक ज्वाइंट प्रेस कांफ्रेंस के दौरान ट्रंप ने कहा कि अगर जरूरी हुआ तो अमेरिका गाजा पट्टी पर कब्जा कर लेगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका गाजा पट्टी के इलाके में अपनी सैनिकों को तैनात करेगा।

राष्ट्रपति ट्रंप के मुताबिक, गाजा पट्टी पर अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी का मतलब लॉन्ग टर्म ओनरशिप पोजिशन' है। उन्होंने कहा कि ऐसा होने से मिडिल ईस्ट में स्थिरता और शांति आएगी। ट्रंप ने दावा किया है कि हम गाजा पट्टी में मौजूद बम और हथियार हैं, जिसे नष्ट किया जाएगा।

हमास ने ट्रंप के बयान को बताया बेतुका- हमास के अधिकारी सामी अबू जुहरी ने बुधवार को कहा कि गाजा पट्टी पर कब्जा करने के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी हास्यास्पद और बेतुका है। अमेरिका के इस फैसले से मिडिल ईस्ट में अस्थिरता आएगी।

अबू जुहरी ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया, गाजा को लेकर ट्रंप ने जो कहा है वो हास्यास्पद और बेतुका है और इस तरह का कोई भी विचार क्षेत्र में अशांति लाएगी।

फिलहाल गाजा पट्टी में हमास और इजरायल के बीच संघर्ष रुक गया है। वहीं, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलकात की है। ट्रंप ने नेतन्याहू का व्हाइट हाउस में स्वागत किया। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच हमास के साथ संघर्ष विराम पर महत्वपूर्ण वार्ता हुई।

स्वीडन के स्कूल में अंधाधुंध फायरिंग, दस लोगों की मौत; हमलावर ढेर

रॉयटर, स्वीडन। स्वीडन में मंगलवार को एक वयस्क शिक्षा केंद्र में एक शख्स ने हमला बोल दिया। स्वीडिश पुलिस ने कहा शिक्षा केंद्र में गोलीबारी के दौरान बंदूकधारी सहित लगभग 10 लोग मारे गए।

हिंसा में किसी अधिकारी को गोली नहीं लगी - स्वीडिश समाचार एजेंसी टीटी ने कहा कि हमलावर ने खुदकुशी कर ली। हालांकि, पुलिस ने खबर की पुष्टि नहीं की है। यह वयस्क शिक्षा केंद्र स्टाकहोम से करीब 200 किलोमीटर दूर आरेब्रो शहर में स्थित है। हिंसा में किसी अधिकारी को गोली नहीं लगी है। हालांकि, घायलों की स्थिति के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई।

परिसर में काफी कम छात्र मौजूद थे- कैंपस रिसबर्गस्का नामक स्कूल 20 वर्ष से अधिक उम्र के छात्रों को सेवा प्रदान करता है। शिक्षिका लीना वारेनमार्क ने बताया कि मंगलवार दोपहर परिसर में काफी कम छात्र मौजूद थे, क्योंकि परीक्षा के बाद कई छात्र घर चले गए थे। उन्होंने 10 गोलियों की आवाजें सुनीं। घटनास्थल के वीडियो में मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और आपात वाहन खड़े थे। गोलीबारी के बाद समीप स्थित इमारतों में रह रहे विद्यार्थी और शिक्षा केंद्र के अन्य हिस्सों में मौजूद लोगों को बाहर निकाला।

ट्रंप संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद तोड़ देंगे सभी संबंध, फलस्तीनी राहत एजेंसी फंडिंग भी रोकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसी उम्मीद है कि राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट मानवाधिकार परिषद के साथ अमेरिकी जुड़ाव को रोक देंगे। साथ ही संयुक्त राष्ट फलस्तीनी राहत एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के लिए फंडिंग पर रोक जारी रखेंगे।

नेतन्याहू लंबे समय से यूएनआरडब्ल्यूए के आलोचक

संयुक्त राष्ट और यूएनआरडब्ल्यूए ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से यूएनआरडब्ल्यूए के आलोचक रहे हैं। उन्होंने एजेंसी पर इजरायल विरोधी उकसावे और उसके कर्मचारियों पर आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है।

यूएनआरडब्ल्यूए के लिए फंडिंग में भी कटौती- ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने यूएनआरडब्ल्यूए के लिए फंडिंग में भी कटौती की थी। साथ ही 47-सदस्यीय मानवाधिकार परिषद को तीन साल के कार्यकाल के बीच में ही छोड़ दिया था। मानवाधिकार परिषद का एक कार्य समूह अगस्त में अमेरिकी मानवाधिकार रिकॉर्ड की समीक्षा करने वाला है।

शिया इस्माइली मुसलमानों के 49वें इमाम और आगा खान फाउंडेशन के संस्थापक आगा खान का पुर्तगाल में निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिया धर्मगुरु और दिग्गज अरबपति आगा खान (प्रिंस करीम अल-हुसैनी आगा खान चतुर्थ) नहीं रहे। मंगलवार (4 फरवरी) को लिस्बन (पुर्तगाल) में 88 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें मोहम्मद पैगंबर वंश का वंशज माना जाता था।

इस्माइली धार्मिक समुदाय ने अपनी वेबसाइट्स पर घोषणा की कि हिज हाइनेस प्रिंस करीम अल-हुसैनी आगा खान चतुर्थ और शिया इस्माइली मुसलमानों के 49वें इमाम का मंगलवार को निधन हो गया। आगा खान चतुर्थ के उत्तराधिकारी को उनकी वसीयत में नामित किया गया है। उनके तीन बेटे और एक बेटी हैं।

गरीबों के कल्याण के लिए किया काम- उन्होंने अपना सारा जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। आगा खान चतुर्थ ने दुनिया के सबसे गरीब और सबसे हाशिए पर रहने वाले समुदायों की मदद की है।

उन्होंने साल 1967 में आगा खान फाउंडेशन की स्थापना की थी। यह फाउंडेशन अफ्रीका, एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और उत्तरी अमेरिका के 18 देशों में काम करता है। आगा खान फाउंडेशन उनके परिवार और दुनिया भर के इस्माइली समुदाय के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है।

पैगंबर मोहम्मद के वंशज थे आगा खान- आगा खान के परिवार को पैगंबर मोहम्मद का वंशज माना जाता है।

वह पैगंबर मोहम्मद की बेटी हजरत बीबी फतिमा और पैगंबर के चचेरे भाई और दमाद हजरत इली, इस्लाम के चौथे खलीफा और पहले शिया इमाम के वंशज थे। वह महज 20 साल की उम्र में इस्माइली मुसलमानों के 49वें इमाम और आध्यात्मिक नेता बनाए गए थे।

...तो पूरा देश खत्म कर दूंगा, ट्रंप की ईरान को सीधी धमकी; अमेरिकी राष्ट्रपति को किस बात का सता रहा डर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी दे दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने उन्हे मारने की कोशिश की तो वह देश को खत्म कर देंगे।

अमेरिका ने ये भी संकेत दिए है कि अगर ईरान ने परमाणु हथियार से जुड़े परियोजनाओं को बंद नहीं किया तो अमेरिका उसपर और भी प्रतिबंध लगाएगा। ट्रंप ने ईरान पर और भी अधिक दबाव डालने के आदेश पर हस्ताक्षर भी किए।

ईरान को ट्रंप की खुली धमकी- राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपने सलाहकारों को निर्देश दिया है कि अगर ईरान उनके ऊपर हमला करता है तो उसे तबाह कर दिया जाए।

ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने मुझे मारने की कोशिश की तो मैं उसे खत्म कर दूंगा। उन्होंने कहा कि ईरान के पास ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता है। हालांकि, ट्रंप ने ईरान के समकक्ष से मुलाकात की इच्छा भी जाहिर की।

बता दें कि ट्रंप को कई बार ईरान की ओर से धमकी मिल चुकी है। हाल ही में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रंप पर जानलेवा हमला भी हुआ था। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों का कहना था कि वह नहीं मानते की हत्या का प्रयास ईरान ने किया था।

साल 2020 में ट्रंप ने ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की एलीट शाखा कुद्स फोर्स का नेतृत्व करने वाले कासिम सुलेमानी की हत्या का आदेश दिया था। इसके बाद से ही ट्रंप की सुरक्षा को लेकर अमेरिकी सुरक्षा एजेंसी काफी अलर्ट रहती है।

खर्चों में कटौती के लिए विदेशी मदद बंद करेगी ट्रंप सरकार, दुनियाभर की सहायता संस्थाओं में हड़कंप

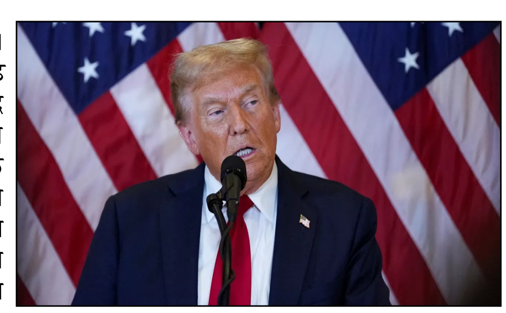

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से विदेशी मदद पर फैसले के चलते सहायता और विकास के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं में हड़कंप मच गया है। ट्रंप के कदम से गंभीर वित्तीय संकट खड़ा होने से सैकड़ों ठेकेदारों ने स्टाफ को निकालना शुरू कर दिया है। इनमें से कई ठेकेदारों का पहले से ही करोड़ों डॉलर का बकाया है।

विदेश मंत्री यूएसएड का कार्यवाहक निदेशक- ट्रंप सरकार खर्चों में कटौती के अभियान के तहत विदेशी मदद बंद करेगी। ट्रंप सरकार में शामिल विश्व के सबसे धनी व्यक्ति एलन मस्क ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस बीच, ट्रंप ने विदेश मंत्री मार्को रूबियो को यूएसएड का कार्यवाहक निदेशक नियुक्त किया है। यह एजेंसी विदेश विभाग के अंतर्गत कर दी गई है।

बता दें कि 2023 में अमेरिका ने यूएसएड (यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट) कार्यक्रम के तहत विभिन्न देशों और संस्थाओं को 72 अरब डॉलर की मदद दी थी।

यूएसएड के दर्जनों अधिकारियों को अवकाश पर भेज दिया गया- राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी को पदभार संभालने के कुछ घंटों के अंदर ही मस्क को तकरीबन सभी अमेरिकी विदेशी सहायता की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। मस्क पहले ही यूएसएड को आपराधिक संगठन करार देने के साथ ही इस एजेंसी का आकार छोटा कर दिया था।

हैदराबाद में बड़ा हादसा, बिल्डिंग की दीवार गिरी; तीन मजदूरों की दबकर मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की दीवार गिरने से तीन मजदूरों की दबकर मौत हो गई। इस घटना में एक मजदूर जख्मी भी हो गया है।

खुदाई के वक्त हादसा- हादसा उस वक्त हुआ, जब मजदूर निर्माणाधीन कॉमर्शियल बिल्डिंग के तहखाने में खुदाई कर रहे थे। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने बताया कि दीवार का एक हिस्सा उनके ऊपर गिर गया। इसके मलबे में मजदूर फंस गए।

एलबी नगर पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में तीन मजदूरों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

हैदराबाद में कई हादसे- हैदराबाद में बीते कुछ समय में ऐसे कई मामले सामने आए हैं। तीन दिन पहले पुराने शहर में किशन बाग एक्स रोड पर रविवार तड़के एक इमारत के तहखाने में आग लग गयी। आग इतनी भीषण थी कि उसका धुआं ऊपर के फ्लोर पर पहुंच रहा था।

सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस और दमकल की 5 गाड़ियां पहुंचीं। किशन बाग पार्षद भी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया गया। बिल्डिंग के लोगों को बाहर निकाला गया और किसी तरह दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया।

जब झुक गई थी बिल्डिंग- अभी कुछ महीने पहले हैदराबाद के बेहद पॉश इलाके में अचानक एक बिल्डिंग हिलने लगी। इसके बाद बिल्डिंग एक तरफ झुक गई। यह देख लोगों के हाथ-पांव फूल गए। मामले की सूचना स्थानीय प्रशासन को दी गई।

अधिकारियों ने बिल्डिंग में रहने वाले लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद बिल्डिंग को गिराने का काम शुरू किया गया।

जनविश्वास बिल 2.0 ला रही है सरकार, 100 से अधिक प्रविधान होंगे खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैन्यूफैक्चरिंग व अन्य प्रकार के कारोबार को आसान बनाने के लिए सरकार जल्द ही जन विश्वास बिल 2.0 को संसद में पेश कर सकती है। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के मुताबिक जन विश्वास बिल के तहत 100 से अधिक प्रविधानों को समाप्त किया जाएगा।

जनविश्वास बिल के तहत 183 प्रविधानों को समाप्त- 11 से अधिक मंत्रालयों के साथ मिलकर जन विश्वास बिल 2.0 तैयार किया जा रहा है। इन सभी मंत्रालयों से जुड़े कई नियमों को समाप्त किया जाएगा। इनमें मोटर वाहन कानून के प्रविधान भी शामिल है। इससे पहले के जनविश्वास बिल के तहत 183 प्रविधानों को समाप्त किया गया।

औद्योगिक यूनिट में बदलेगा निरीक्षण का तरीका- मैन्यूफैक्चरिंग के प्रोत्साहन के लिए सरकार औद्योगिक यूनिट के निरीक्षण का तरीका भी बदलने जा रही है। गत एक फरवरी को पेश बजट में औद्योगिक सहूलियत को बढ़ाने की घोषणा की गई है। डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने बताया कि राज्यों के साथ मिलकर औद्योगिक निरीक्षण के तरीके में सुधार किया जाएगा।

भगवान वेंकटेश्वर की पवित्रता का सवाल है, तिरुपति मंदिर से 18 गैर हिंदू कर्मचारियों की छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुपति मंदिर के शासी निकाय तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने 18 गैर-हिंदू कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इन सभी को ट्रांसफर लेने या वॉलेंट्री रिटायरमेंट स्कीम लेने के लिए कहा गया है। बोर्ड ने कहा कि यह निर्णय अपने मंदिरों और धार्मिक गतिविधियों की आध्यात्मिक पवित्रता को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

इस वजह से लिया गया फैसला टीटीडी के त्योहारों और अनुष्ठानों में भाग लेने के साथ-साथ गैर-हिंदू धार्मिक गतिविधियों में कथित रूप से भाग लेने वाले 18 कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। आदेश में लिखा है कि भगवान वेंकटेश्वर मंदिर की पवित्रता के लिए इन कर्मचारियों को हटाने का फैसला किया गया है।

टीटीडी के चेयरमैन ने क्या कहा- टीटीडी बोर्ड ने हाल ही में ऐसे कर्मचारियों को या तो सरकारी विभागों में ट्रांसफर करने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के माध्यम से उन्हें बाहर निकालने का संकल्प लिया है। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू ने कहा कि मंदिर की पवित्रता को ध्यान में रखकर ही यह कदम उठाया गया है।

यूएसएड बंद होने से भारत पर भी पड़ेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की यूएसएड एजेंसी के बंद करने की घोषणा से दुनियाभर में खलबली है। यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) की सहायता से कई देशों में स्वास्थ्य, जलवायु, विकास, खाद्य सुरक्षा समेत विभिन्न क्षेत्रों में संचालित योजनाओं के प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

भारत में चल रही योजनाओं पर पड़ेगा असर- भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा, क्योंकि यहां भी यूएसएड के माध्यम से कई योजनाएं चल रही हैं। विशेषज्ञों ने भी भारत में स्वास्थ्य, जल, सफाई व स्वच्छता और जलवायु से संबंधित प्रमुख कार्यक्रमों के प्रभावित होने की चेतावनी दी है। आइए जानते हैं कि भारत में इस एजेंसी की क्या भूमिका है।

70 वर्षों से भारत में कार्यरत- यूएसएड ने भारत में कार्यरत अपने साझेदारों को योजनाएं रोकने का निर्देश दिया है। यह अमेरिकी एजेंसी भारत में 70 वर्ष से स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में काम कर रही है। चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत को यूएसएड के माध्यम से 14 करोड़ डॉलर मिले हैं।

यूएसएड मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, टीबी, एचआइवी और कोविड-19 महामारी सहित विभिन्न स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए भारत सरकार के साथ काम करती है। 1990 से यह एजेंसी भारत में 20 लाख से अधिक बच्चों को बचाने में मदद की है। यूएसएड की सहायता से निमोनिया से 25 हजार और दस्त से 14 हजार मौतों को रोकने में मदद मिली।

शिक्षा के लिए कर रही काम- यूएसएड और उसके सहयोगी भारत के 16 राज्यों में नौ भाषाओं में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए काम कर रहे हैं। इस अमेरिकी एजेंसी ने भारत के साक्षरता अभियान पढ़े भारत बढ़े भारत का समर्थन किया है, जो 20 लाख से अधिक छात्रों तक पहुंचा है। यूएसएड समर्थित कार्यक्रमों से 61 हजार से अधिक शिक्षकों को बेहतर शिक्षण कौशल में प्रशिक्षित किया है।

स्वच्छ भारत अभियान का समर्थन- यूएसएड ने 2014 में शुरू किए गए भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान का समर्थन किया है।

कर्नाटक में 10वीं की छात्राओं को परीक्षा में पहनना होगा हिजाब? सिद्धरमैया सरकार ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में हिजाब विवाद फिर से चर्चा में आ गया। हिजाब पर बैन रहेगा या नहीं इसको लेकर एक बार फिर से कर्नाटक में बहस छिड़ गई है। यह बहस खासकर कक्षा 10 वीं के छात्रों के लिए है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि सरकार यह तय करने के लिए एक बैठक करेगी कि राज्य में 10वीं कक्षा के छात्रों को परीक्षा में शामिल होने के दौरान हिजाब पहनने की अनुमति दी जाए या नहीं इसपर सुप्रीम कोर्ट को अपना रुख बताएगी।

जब जी परमेश्वर से पूछा गया कि क्या हिजाब पहनकर परीक्षा देने वाली छात्राओं को परीक्षा में बैठने की अनुमति देने के संबंध में कोई चर्चा हुई है, तो एचएम परमेश्वर ने कहा, इस मामले पर अभी तक कोई बैठक नहीं हुई है, लेकिन हम एक बैठक आयोजित करेंगे।

फैसले लेने पर क्या बोले गृहमंत्री- जब उनसे पूछा गया कि क्या हिजाब का मुद्दा अभी भी सुप्रीम कोर्ट के समक्ष है, तो सरकार कोई निर्णय ले सकती है? उन्होंने जवाब दिया, यह मामला सुप्रीम कोर्ट में होने के बावजूद निर्णय लेने के बारे में नहीं है।

गृह मंत्री ने आगे कहा, हमें अपने फैसले स्वयं लेने होंगे और न्यायालय को भी अपना रुख बताना होगा। हमें वर्तमान स्थिति के आधार पर अपनी राय पेश करनी चाहिए, और हम ऐसा करेंगे।

कर्नाटक सरकार छात्रों को हिजाब पहनकर परीक्षा देने की अनुमति देने के मामले में सावधानी से कदम उठा रही है। पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान, हिजाब संकट अंतरराष्ट्रीय समाचार बन गया और राज्य में हंगामा मच गया।

जब याद दिलाया गया कि परीक्षा के लिए केवल एक महीना बचा है, तो एचएम परमेश्वर ने कहा, इस मामले पर चर्चा करने के लिए एक महीना पर्याप्त है। पिछली भाजपा सरकार ने स्कूल और प्री-यूनिवर्सिटी (कक्षा 11 और 12) कॉलेज की छात्राओं के साथ हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

कौन हैं पूनम गुप्ता? जिनकी राष्ट्रपति भवन में होगी शादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति भवन में पहली बार किसी की शादी का फंक्शन होने वाला है। सीआरपीएफ अधिकारी पूनम गुप्ता राष्ट्रपति भवन में शादी करने वाली पहली व्यक्ति हैं, पूनम, राष्ट्रपति भवन में पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर के पद पर तैनात हैं।

सूत्रों के मुताबिक, सीआरपीएफ ऑफिसर पूनम गुप्ता अपने मंगेतर अविनाश कुमार, जो खुद सीआरपीएफ में असिस्टेंट कमांडर हैं राष्ट्रपति भवन में 12 फरवरी 2025 को शादी करने वाली हैं। नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का आधिकारिक निवास है।

राष्ट्रपति भवन को एडविन लुटियंस ने किया डिजाइन- राष्ट्रपति भवन को सर एडविन लुटियंस की तरफ से डिजाइन किया गया है और यह दुनिया में किसी राष्ट्र प्रमुख का दूसरा सबसे बड़ा निवास स्थान है। पहला इटली का क्विरिनल पैलेस है। 300 एकड़ की संपत्ति पर विकसित, राष्ट्रपति भवन में चार मंजिल और 340 कमरे हैं।

इसके अलावा, इसमें प्रसिद्ध अमृत उद्यान, एक संग्रहालय, गणतंत्र मंडप, अशोक मंडप और एक तांबे-मुखी गुंबद भी है। 1948 में, स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर-जनरल, सी. राजगोपालाचारी राष्ट्रपति भवन में रहने वाले पहले भारतीय बने। इन सालों में, कई राष्ट्रपति इस शानदार राज्य भवन में रहे हैं और कई हाई-प्रोफाइल अंतरराष्ट्रीय राजनेताओं की भी राष्ट्रपति भवन में मेजबानी की गई है।

पूनम गुप्ता ने कहां से की पढ़ाई- सीआरपीएफ की असिस्टेंट कमांडेंट पूनम गुप्ता मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं। पूनम गणित में ग्रेजुएटटड हैं,

जिसके बाद उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई की और उसके बाद बी.एड की डिग्री हासिल की।

इसके बाद उन्होंने 2018 यूपीएससी सीएपीएफ परीक्षा के लिए आवेदन किया और उत्तीर्ण की, जिसमें उन्होंने 81वीं रैंक हासिल की।

पूनम गुप्ता सीआरपीएफ में सहायक कमांडेंट के रूप में कार्यरत हैं और उन्होंने अन्य क्षेत्रों के अलावा बिहार के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में भी काम किया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ शुक्ल नवमी

संपादकीय

शिक्षा की सफलता न केवल छात्र की शैक्षणिक उपलब्धियों पर, बल्कि उनके सामाजिक और भावनात्मक सीखने को बढ़ाने पर भी टिका है....

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, स्कूली शिक्षा की सफलता न केवल छात्र की शैक्षणिक उपलब्धियों पर, बल्कि उनके सामाजिक और भावनात्मक सीखने को बढ़ाने पर भी टिका है। सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली 1.47 मिलियन स्कूलों में 248 मिलियन छात्रों को पूरा करती है, जो 9.8 मिलियन शिक्षकों द्वारा समर्थित है। सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली 1.47 मिलियन स्कूलों में 248 मिलियन छात्रों को पूरा करती है, जो 9.8 मिलियन शिक्षकों द्वारा समर्थित है।

आर्थिक सर्वेक्षण भविष्य में कार्यबल की रोजगार में सुधार करने के लिए समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देता है। यह एक दूसरे के पूरक के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षा मॉडल की आवश्यकता पर भी जोर देता है, एक आवश्यक आवश्यकता जो महामारी के बाद उभरी।

सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली 1.47 मिलियन स्कूलों में 248 मिलियन छात्रों को पूरा करती है, जो 9.8 मिलियन शिक्षकों द्वारा समर्थित है। सरकारी स्कूल इन संस्थानों में से 69त्न का गठन करते हैं, जिसमें 51त्न शिक्षण स्टाफ के साथ छात्र आबादी का 50त्न शिक्षित होता है। इसके विपरीत, निजी स्कूल 22.5त्न स्कूलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, 38त्न शिक्षकों के साथ 32.6त्न छात्रों को पढ़ाते हैं।

2020 तक 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2030 तक 100त्न सकल नामांकन अनुपात प्राप्त करने वाला लक्ष्य। वर्तमान में, त्वश्वक्र प्राथमिक स्तर पर लगभग सार्वभौमिक है, 93त्न पर। द्वितीयक स्तर (77.4त्न) और उच्च माध्यमिक स्तर (56.2त्न) पर नामांकन अंतराल को बंद करने के लिए पहल की जा रही है, देश को सभी के लिए समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा के अपने लक्ष्य की ओर ले जाती है। त्वश्वक्र उस आयु वर्ग की आबादी की तुलना में एक स्तर की शिक्षा में नामांकित छात्रों का प्रतिशत है।ड्रॉपआउट दर में गिरावट इसके अलावा, हाल के वर्षों में स्कूल ड्रॉपआउट दरों में लगातार गिरावट देखी गई है, अब प्राथमिक के लिए 1.9त्न, उच्च प्राथमिक के लिए 5.2त्न और माध्यमिक शिक्षा के लिए 14.1त्न है। इन सुधारों के बावजूद, चुनौतियां छात्र प्रतिधारण में बनी रहती हैं, प्राथमिक शिक्षा के लिए 85.4त्न (कक्षाएं ढ्ढ से 1), प्राथमिक के लिए 78त्न (कक्षा ढ्ढ से से), माध्यमिक के लिए 63.8त्न (कक्षाएं से ×), और 45.6 उच्च माध्यमिक के लिए कंसल्टिंग फर्म डेलॉइट इंडिया के पार्टनर कमलेश व्यास ने कहा, ÷स्कूली बच्चों के बीच ड्रॉपआउट दरें स्कूलों में कम हो गई हैं, लेकिन वे प्राथमिक स्कूलों के लिए 1.9त्न, उच्च प्राथमिक स्कूलों के लिए 5.2त्न और माध्यमिक विद्यालयों में 14.1त्न हैं।÷इन सभी छात्रों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में या स्कूलों में वापस रखने की आवश्यकता है, अगर हमें अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाना है। डेटा हमें क्या नहीं बताता है कि बच्चों की साक्षरता और संख्यात्मकता का स्तर है जो बाहर नहीं जा रहे हैं। एक फोकस क्षेत्र भी बनें, उन्होंने कहा।स्कूली शिक्षा की सफलता न केवल छात्र की शैक्षणिक उपलब्धियों पर बल्कि उनके सामाजिक और भावनात्मक सीखने (एसईएल) को बढ़ाने पर भी टिका है। ÷एक अच्छी शिक्षा एक बच्चे के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और जीवन कौशल को बढ़ाती है,÷ सर्वेक्षण में कहा गया है। यह कार्यबल में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर भी ध्यान आकर्षित करता है।यद्यपि ऑनलाइन लर्निंग और डिजिटल तकनीक ने शैक्षिक पहुंच को व्यापक बनाया है, लेकिन कक्षा-आधारित शिक्षा का समय-सम्मानित दृष्टिकोण अभी भी महत्वपूर्ण मूल्य को बनाए रखता है। तमिलनाडु सरकार ने एक लागत प्रभावी उपचारात्मक कार्यक्रम पेश किया है, जो शिक्षा को सीधे छात्रों के दरवाजे पर लाता है। इस पहल का उद्देश्य महामारी की शैक्षिक असमानताओं को पाटना, इक्विटी को बढ़ावा देना और सीखने के परिणामों को बढ़ाना है।

मोतीलाल नेहरू

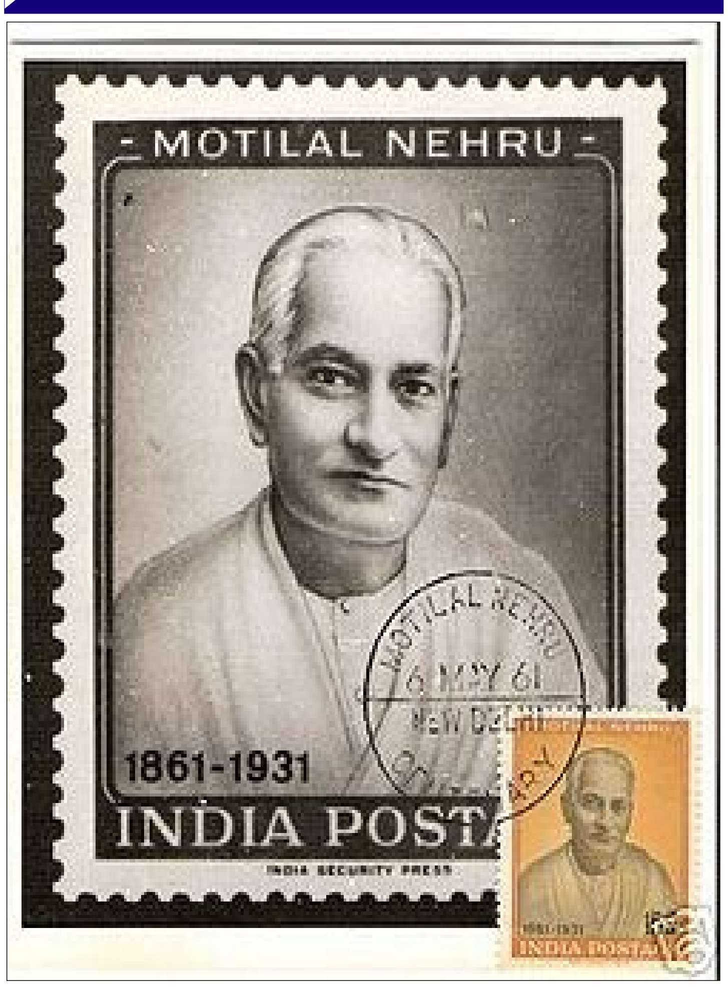

पं. मोतीलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पिता थे। ये कश्मीरी ब्राह्मण थे। इनकी पत्नी का नाम स्वरूप रानी था। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में मोतीलाल नेहरू एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने न केवल अपनी ज़िंदगी की शानोशौकत को पूरी तरह से ताक पर रख दिया बल्कि देश के लिए परिजनों सहित अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। मोतीलाल नेहरू अपने समय में देश के प्रमुख वकीलों में थे। वह पश्चिमी रहन-सहन, वेषभूषा और विचारों से काफ़ी प्रभावित थे। किंतु बाद में वह जब महात्मा गांधी के संपर्क में आए तो उनके जीवन में परिर्वतन आ गया। पंडित मोतीलाल नेहरू अपने समय के शीर्ष वकीलों में थे। उस समय वह हज़ारों रुपए की फीस लेते थे। उनके मुवक्किलों में अधिकतर बड़े ज़मींदार और स्थानीय रजवाड़ों के वारिस होते थे, किंतु वह ग़रीबों की मदद करने में पीछे नहीं रहते थे।

पारिवारिक पृष्ठभूमि

पं. मोतीलाल नेहरू के पिता पंडित गंगाधर नेहरू, जब दिल्ली में लूटपाट और कत्ले आम मचा था, अपना सब कुछ छोड़कर अपने परिवार को लेकर किसी तरह सुरक्षित रूप से आगरा पहुंच गए थे। लेकिन वह आगरा में अपने परिवार को स्थायी रूप से जमा नहीं पाए थे कि सन् 1861 में केवल चौंतीस वर्ष की छोटी-सी आयु में ही वह अपने परिवार को लगभग निराश्रित छोड़कर इस संसार से कूच कर गए। पंडित गंगाधर नेहरू की मृत्यु के तीन महीने बाद 6 मई 1861 को पंडित मोतीलाल नेहरू का जन्म हुआ था। पंडित गंगाधर नेहरू के तीन पुत्र थे। सबसे बड़े पंडित बंसीधर नेहरू थे, जो भारत में विक्टोरिया का शासन स्थापित हो जाने के बाद तत्कालीन न्याय विभाग में नौकर हो गए। उनसे छोटे पंडित नंदलाल नेहरू थे जो लगभग दस वर्ष तक राजस्थान की एक छोटी-सी रियासत खेतड़ी के दीवान रहे। बाद में वह आगरा लौट आए। उन्होंने आगरा में रहकर क़ानून की शिक्षा प्राप्त की और फिर वहीं वकालत करने लगे। इन दो पुत्रों के अतिरिक्त तीसरे पुत्र पंडित मोतीलाल नेहरू थे। पंडित नन्दलाल नेहरू ने ही अपने छोटे भाई मोतीलाल का पालन-पोषण किया और पढ़ाया-लिखाया। पंडित नन्दलाल नेहरू की गणना आगरा के सफल वकीलों में की जाती थी। उन्हें मुक़दमों के सिलसिले में अपना अधिकांश समय इलाहाबाद में हाईकोर्ट बन जाने के कारण वहीं बिताना पड़ता था। इसलिए उन्होंने इलाहाबाद में ही एक मकान बनवा लिया और अपने परिवार को लेकर स्थायी रूप से इलाहाबाद आ गए और वहीं रहने लगे। जब मोतीलाल नेहरू 25 वर्ष के थे तो उनके बड़े भाई का निधन हो गया।

प्रारंभिक जीवन

मोतीलाल नेहरू का जन्म एक कश्मीरी पण्डित परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम गंगाधर था। वह पश्चिमी ढ़ंग की शिक्षा पाने वाली प्रथम पीढ़ी के गिने-चुने भारतीयों में से एक थे। पंडित मोतीलाल नेहरू पढ़ने-लिखने में अधिक ध्यान नहीं देते थे लेकिन अपने स्कूल और कॉलेज में अपनी हंसी-मज़ाक और खेल-कूद के लिए विख्यात थे। आरम्भ में उन्होंने अरबी और फ़ारसी की शिक्षा प्राप्त की थी।

शिक्षा

पंडित मोतीलील नेहरू ने अपनी पढ़ाई-लिखाई की ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। जब बी.ए. की परीक्षा का समय आया तो उन्होंने परीक्षा की तैयारी बिलकुल ही नहीं की थी। उन्होंने पहला ही पेपर किया था तो लगा कि इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने की कोई आशा नहीं है, क्योंकि उस पेपर से उन्हें सन्तोष नहीं हुआ है और सोचकर उन्होंने बाकी पेपर नहीं दिए और ताजमहल की सैर करने चले गए। लेकिन वह पेपर ठीक ही हुआ था। इसलिए प्रोफेसर ने उन्हें बुलाकर बहुत डांटा, लेकिन अब क्या हो सकता था। इसका परिणाम यह हुआ कि मोतीलाल नेहरू की शिक्षा यहीं समाप्त हो गई। वह बी.ए. पास नहीं कर पाए। उनकी शुरुआती शिक्षा कानपुर और बाद में इलाहाबाद में हुई। शुरुआत में उन्होंने कानपुर में ही वकालत की।

पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव

अपने कॉलेज जीवन में ही मोतीलाल नेहरू पश्चिमी सभ्यता से इतने प्रभावित हो गए थे कि उन्होंने अपने आपको पूरी तरह उसी ढ़ांचे में ढाल लिया था। उस जमाने में कलकत्ता और बम्बई जैसे बड़े-बड़े नगरों मे ही लोगों ने पाश्चात्य वेश-भूषा, रहन-सहन और सभ्यता को अपनाया था लेकिन मोतीलील नेहरू ने इलाहाबाद जैसे छोटे-से शहर में पाश्चात्य वेश-भूषा और सभ्यता को अपनाकर एक नई क्रान्ति को जन्म दिया। भारत में जब पहली बाइसिकल आई तो मोतीलाल नेहरू ही इलाहाबाद के पहले व्यक्ति थे जिन्होंने बाइसिकल ख़रीदी थी।

वकालत

मोतीलाल नेहरू की पढ़ाई भले ही अधूरी रह गई थी लेकिन वे आरम्भ से ही अत्यन्त कुशाग्र बुद्धि थे। ज्ञान और विद्वता की उनमें कमी नहीं थी। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट की वकालत की परीक्षा दी तो सब चकित रह गए। उन्होंने इस परीक्षा में प्रथम स्थान ही प्राप्त नहीं किया था, बल्कि उन्हें एक स्वर्ण पदक भी मिला था। उनकी रुचि आरम्भ से ही वकालत में थी। उन पर अपने बड़े भाई नंदलाल नेहरू का गहरा प्रभाव पड़ा था। नंदलाल नेहरू की गणना कानपुर के अच्छे वकीलों में की जाती थी। इसलिए मोतीलाल नेहरू ने अपनी वकालत उनके सहायक के रूप में ही आरम्भ की। पंडित मोतीलील नेहरू ने वकालत के पेशे में सफलता प्राप्त करने का दृढ़ निश्चय कर लिया था। इसलिए उन्होंने जी-तोड़ परिश्रम किया और बहुत जल्द उनकी गिनती कानपुर के तेज़-तर्रार वकीलों में होने लगी। उन्होंने तीन वर्ष तक कानपुर की ज़िला अदालतों में वकालत की और फिर इलाहाबाद आकर हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करने लगे। मोतीलाल नेहरू एक बैरिस्टर बने और इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश के शहर में बस गए। मोतीलाल जल्द ही अपने लिए इलाहाबाद के क़ानूनी व्यवसाय में प्रसिद्ध हो गये। अपनी सफलता के साथ उन्होंने इलाहाबाद के सिविल लेन में और एक घर ख़रीदा और उस घर का नाम आनंद भवन रखा। 1909 में प्रिवी कौंसिल, ग्रेट ब्रिटेन में अपनी योग्यता प्रदर्शित कर अपने क़ानूनी कैरियर के शिखर पर पहुंच गये। लगातार यूरोप के दौरे करने से पारंपरिक रूढ़िवादी हिंदू धर्म का कश्मीरी ब्राह्मण समुदाय उनसे नाराज़ हो गया। समाज में प्रतिष्ठा पाने के लिए उन्हें कुछ धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए कहा, क्योंकि रूढ़िवादी ब्राह्मण समुदाय में प्रतिष्ठा पाने के लिए यह अनिवार्य था, किंतु मोतीलाल इन सब बातों को नहीं मानते थे।

उनकी जीवन शैली पाश्चात्य थी। वह एक धनी व्यक्ति थे। 1918 में महात्मा गांधी के प्रभाव से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रभाव में आये और गाँधी जी से प्रभावित होकर देशी भारतीय जीवन शैली अपनाकर अपने जीवन को बदलने की पहले की गई। अपने बड़े परिवार और परिवार के खर्चों को पूरा करने के लिए नेहरू कभी कभी क़ानून के अपने व्यवसाय को अपनाते थे। बाद में उन्होंने परिवार के लिए स्वराज भवन बनवाया। मोतीलाल नेहरू ने स्वरूप रानी, एक कश्मीरी ब्राह्मण से शादी कर ली।

संतान

मोतीलाल के घर जवाहरलाल नेहरू 1889 में पैदा हुए। बाद में उनके दो पुत्रियां सरूप, जो बाद में विजयलक्ष्मी पंडित के नाम से विख्यात हुई और कृष्णा, जो बाद में कृष्णाहठी सिंह के नाम से जानी गयीं, पैदा हुई। विजयलक्ष्मी पंडित ने अपनी आत्मकथा द स्कोप ऑफ हैप्पीनेस में बचपन की यादों को ताजा करते हुए लिखा है कि उनके पिता पूरी तरह से पश्चिमी विचारों और रहन-सहन के कायल थे। उस दौर में उन्होंने अपने सभी बच्चों को अंग्रेज़ी शिक्षा दिलवाई।

ट्रंप के टैरिफ वॉर में भारत का फायदा, अमेरिका के साथ चीन में भी निर्यात बढ़ाने का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की नवगठित डोनाल्ड ट्रंप सरकार के फैसलों से दुनिया टैरिफ (शुल्क) वॉर की चपेट में आती दिख रही है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। फिलहाल भारत इसे अवसर के रूप में देख रहा है क्योंकि चीन की वस्तुओं पर अमेरिका ने 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है जिससे चीन की वस्तुएं अमेरिका में महंगी हो जाएंगी।

इससे भारतीय वस्तुओं की मांग अमेरिका में बढ़ सकती है क्योंकि भारतीय वस्तुएं अमेरिका में चीन की वस्तुओं की तुलना में सस्ती होंगी। अमेरिका में चीन के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर माहौल बन रहा है, इससे भी भारतीय वस्तुओं की बिक्री अमेरिका में बढ़ सकती है।

दूसरी तरफ चीन ने भी जवाबी कार्रवाई में अमेरिका से आने वाली वस्तुओं पर 15 प्रतिशत तक का अतिरिक्त शुल्क लगा दिया है। इससे चीन के बाजार में अमेरिकी वस्तुएं महंगी होंगी और यहां भी भारत को अपने निर्यात बढ़ाने का मौका मिलेगा।

चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अप्रैल-दिसंबर में भारत ने चीन को सिर्फ 10.44 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि इस अवधि में भारत ने चीन से 84.16 अरब डॉलर का आयात किया था। अप्रैल-दिसंबर में भारत अमेरिका को 60 अरब डॉलर का निर्यात कर चुका है। भारत सबसे अधिक निर्यात अमेरिका में ही करता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस (फियो) के महानिदेशक एवं सीईओ अजय सहाय ने बताया कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में चीन से होने वाले ट्रेड वॉर का फायदा भारत को मिला था। अमेरिकी बाजार में हमारा निर्यात 57 अरब डॉलर से बढ़कर 73 अरब डॉलर का हो गया। उन्होंने कहा कि इस बार भी हमें इस टैरिफ वार का फायदा मिल सकता है और निर्यात बढ़ोतरी पूरी तरह से हमारी आपूर्ति क्षमता पर निर्भर करेगी। आपूर्ति क्षमता अधिक होगी तो हम अधिक निर्यात कर पाएंगे। निर्यातक अमेरिका से मिलने वाले आर्डर को लेकर काफी सकारात्मक दिख रहे हैं। चीन अमेरिका को 12 अरब डालर का फुटवियर तो 19 अरब डालर का गारमेंट निर्यात करता है। सभी वस्तुओं को मिलाकर चीन अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निर्यात करता है।

आम आदमी को मिलेगी और राहत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2025 में टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत दी। उन्होंने न्यू टैक्स रिजीम में 12 लाख तक की सालाना आय को टैक्स फ्री कर दिया। अब सरकार गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (तस्त्र) में सुधार करने वाली है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि जीएसटी दरों की समीक्षा का काम लगभग पूरा हो चुका है और परिषद जल्द ही स्लैब की संख्या और दरों में कमी पर फैसला लेगी।

जीएसटी का अभी कैसा है स्वरूप- अभी जीएसटी एक चार स्तरीय टैक्स स्लैब है। इसमें पांच, 12, 18 और 28 प्रतिशत की स्लैब है। विलासिता से जुड़ी वस्तुओं पर 28 प्रतिशत का उच्चतम कर लगाया जाता है। वहीं, पैक किए गए खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुएं सबसे कम पांच प्रतिशत की स्लैब में हैं। सीतारमण की अध्यक्षता वाली परिषद ने जीएसटी दरों में बदलाव के साथ-साथ स्लैब को कम करने का सुझाव देने के लिए मंत्रियों का एक समूह (जीओएम) गठित किया था।

वित्त मंत्री ने कहा, जीएसटी दरों को तर्कसंगत और सरल बनाने का काम लगभग तीन साल पहले शुरू हुआ था। हालांकि बाद में इसका दायरा बढ़ाया गया। अब काम लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि परिषद में शामिल राज्यों के वित्त मंत्रियों से दरों पर अधिक गहराई से विचार करने को कहा, क्योंकि वे आम लोगों द्वारा उपभोग की जाने वाली रोजमर्रा की वस्तुओं से संबंधित हैं।

रतन टाटा के बेहद करीब थे शांतनु, अब टाटा मोटर्स में मिली बड़ी जिम्मेदारी; लिखा इमोशनल पोस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रतन टाटा के करीबी दोस्त शांतनु नायडू को टाटा मोटर्स में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। शांतनु नायडू ने लिंक्डइन पोस्ट के जरिए ये जानकारी दी है। उन्होंने लिंक्डइन पर एक इमोशनल पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में, नायडू ने लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं टाटा मोटर्स में महाप्रबंधक, प्रमुख - रणनीतिक पहल के रूप में एक नया पद शुरू कर रहा हूं!

कंपनी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंध पर विचार करते हुए उन्होंने कहा, मुझे याद है जब मेरे पिता अपनी सफेद शर्ट और नेवी पैंट में टाटा मोटर्स प्लांट से घर जाते थे और मैं खिड़की पर उनका इंतजार करता था। अब पूरा सर्किल पूरा हो गया है।

नायडू ने नैनो के साथ शेयर की फोटो- अपने हार्दिक शब्दों के साथ, नायडू ने टाटा नैनो के साथ अपनी एक फोटो शेयर की, जो कि भारत में रतन टाटा के किफायती गतिशीलता के नजरिए से जुड़ी हुई कार है।

रतन टाटा से खास रिश्ता- रतन टाटा के साथ नायडू का जुड़ाव सिर्फ पेशेवर से कहीं अधिक था। यह बेहद व्यक्तिगत था। जब रतन टाटा ने अपनी वसीयत में नायडू का नाम लिया, तो उनके बीच संबंध और अधिक मजबूत हो गए। एक रिपोर्ट के अनुसार, टाटा ने नायडू के सहयोगी गुडफेलोज में अपनी हिस्सेदारी छोड़ दी और उनके शिक्षा ऋण भी माफ कर दिए।

नायडू ने अपने गुरु को दी श्रद्धांजलि- 9 अक्टूबर, 2024 को मुंबई में थोड़े समय के लिए अस्पताल में भर्ती रहने के बाद रतन टाटा के निधन के बाद, नायडू ने अपने गुरु को एक मार्मिक श्रद्धांजलि शेयर की। नायडू ने दोनों की एक साथ फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, इस दोस्ती ने अब मुझमें जो कमी छोड़ दी है, मैं उसे भरने की कोशिश में अपनी बाकी जिंदगी बिता दूंगा। दुःख प्यार के लिए चुकाई जाने वाली कीमत है। अलविदा, मेरे प्रिय प्रकाशस्तंभ।

सोने-चांदी के भाव में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी, शादी के मौसम में भी बाजार में भीड़ कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी के भाव में तेजी से ज्वेलरी बाजार के साथ खरीदारों की रंगत फीकी होने लगी है। सोमवार को दिल्ली में 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 85 हजार 500 रुपये तक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। वहीं, चांदी भी एक लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर के छूने के करीब है। वह 98,500 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है।

सोने के दाम में लगातार हो रही बढ़ोतरी- चांदी के दाम में दो हजार रुपये प्रति किलो की तेजी है, 29 जनवरी को यह 96 हजार 500 रुपये था। जबकि, सोने के दाम में एक सप्ताह में प्रति 10 ग्राम करीब 2,500 रुपये की तेजी आई है। 29 जनवरी को दिल्ली में 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 83 हजार रुपये था। अंतरराष्ट्रीय कारणों से दामों में बढ़ोत्तरी का यह सिलसिला आने वाले दिनों में भी जारी रहने का अंदेशा है, इससे ज्वेलरी बाजार संशकित है।

फिलवक्त बाजार से जुड़े लोगों के अनुसार, सोने-चांदी के दामों में रिकॉर्ड तेजी से बुलियन और गहनों की मांग में असर देखा जा रहा है। इसमें 20 से 30 प्रतिशत की कमी आई है। जिसमें विवाह संबंधित मांग प्रमुख है।

कब बढ़ेगा 7वें वेतन आयोग का महंगाई भत्ता, कितनी हो जाएगी सैलरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 8वें वेतन आयोग को मंजूरी के बाद सरकारी कर्मचारियों को जल्द ही एक और खुशखबरी मिल सकती है। उनके महंगाई भत्ते में इजाफे का एलान जल्द हो सकता है। इसका लाभ सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों दोनों को मिलेगा। आइए जानते हैं कि डीए यानी महंगाई भत्ता की गणना कैसे होती है और इसका एलान कब तक हो सकता है।

अभी सरकारी कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग के तहत सैलरी मिलती है। इसके तहत DA का कैलकुलेशन AICPI (All India Consumer Price Index) के आधार पर होता है। इस बार जुलाई से दिसंबर 2024 तक के AICPI इंडेक्स के डेटा से तय होगा कि सरकार महंगाई भत्ते में कितनी बढ़ोतरी करेगी।

यह डेटा बताता है कि सरकार डीए 3 फीसदी बढ़ा सकती है।

डीए में बढ़ोतरी का एलान कब होगा- सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को जुलाई 2024 से 53 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है। अगर पिछले वर्षों का रुझान देखें, तो सरकार होली से पहले मार्च में डीए बढ़ोतरी का एलान करती है। अगर मार्च डीए बढ़ने का एलान होता है, तो इसे 1 जनवरी 2025 से लागू माना जाएगा। इसका मतलब है कि सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 2 महीने का डीए एरियर के साथ मिलेगा।

कितनी हो जाएगी सैलरी- सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में कितना इजाफा होगा, यह उनके मौजूदा वेतन पर निर्भर करता है। सरकार डीए को 53 फीसदी से बढ़ाकर 56 फीसदी कर सकती है। इसका मतलब है कि कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 फीसदी और जुड़ जाएंगे। जैसे कि अभी किसी कर्मचारी को 15,000 प्रति महीना महंगाई भत्ता मिल रहा है, तो यह बढ़कर 15,450 रुपये हो जाएगा। यानी उन्हें 450 रुपये प्रति महीना के हिसाब से अधिक मिलेंगे।

7th Pay Commission के तहत DA का रिवीजन साल में दो बार होता है। पहली बार जनवरी और दूसरी बार जुलाई में। यह रिवीजन AICPI इंडेक्स के औसत पर आधारित होता है। सरकार इसे होली से पहले जारी करके सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को त्योहारी तोहफा दे सकती है। हालांकि, अगर डीए बढ़ोतरी का एलान मार्च में होगा, तो पैसा मार्च या फिर अप्रैल की सैलरी के साथ आ सकता है।

शेयर बाजार से जुड़ा है देश का हर पांचवां घर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल स्टाक एक्सचेंज की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में पिछले दशक में छह गुना की वृद्धि हुई है। देश का प्रत्येक पांचवां घर शेयर बाजारों से जुड़ा हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि शेयर बाजार निवेश से जुड़े खातों की संख्या 21 करोड़ को पार कर गई है। इसमें 18 करोड़ से अधिक डीमैट खाते हैं।

पिछले पांच महीनों के दौरान एक करोड़ निवेशक शेयर बाजार से जुड़े हैं। अकेले वर्ष, 2024 में 2.32 करोड़ नए निवेशक बाजार में आए, जो किसी एक वर्ष में अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। रिपोर्ट में शेयर बाजार में निवेश के जरिये भारतीय परिवारों की संपत्ति सृजन पर भी प्रकाश डाला गया है।

पिछले पांच साल के दौरान शेयर बाजार में पारिवारिक संपत्ति बढ़कर 40 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ी है। बीते तीन सालों के दौरान इनकी संपत्ति में 28 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की वृद्धि हुई है। अकेले वर्ष 2024 में, घरेलू निवेशकों की संपत्ति में 13.2 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

विदिशा के सिरोंज में बस ने बच्चे को कुचला, गुस्साई भीड़ ने बस फूंकी

विदिशा/ सिरोंज। गुना से सिरोंज तेज रफ्तार से आ रही यात्री बस ने पामाखेड़ी चौराहे पर एक चार वर्षीय मासूम को कुचल दिया।जिसमें घटनास्थल पर ही मौत हो गई।इससे गुस्साए लोगों ने बस में आग लगा दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

जानकारी के अनुसार नटेरन तहसील के ग्राम घिनौची के रहने वाले कल्याण सिंह जाटव अपनी तीन साल की बेटी को गोद में और चार साल के बेटे सूरज का हाथ पकड़कर चौराहे की सड़क पार कर रहे थे।इसी दौरान उनसे बेटे का हाथ छूट गया। तभी सामने से तेज गति से आ रही शक्ति कंपनी की बस ने बच्चे को कुचल दिया। जिसमें उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इससे गुस्साए लोगों ने बस चालक को रोका तो वह बस खड़ी कर भाग गया। इससे लोगों का गुस्सा और भड़क गया। इधर,हंगामा होता देख बस में बैठे यात्री भी बस से उतर गए। नाराज लोगों ने बस में तोड़फोड़ कर दी और आग लगा दी।

मौके पर थोड़ी देर में पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंची और आग बुझाने लगी। तब तक बस आधी से अधिक जल चुकी थी। एसपी रोहित काशवानी के मुताबिक घटना स्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है। स्थिति नियंत्रण में है। आरोपित बस चालक के खिलाफ प्रकरण कायम कर लिया है। उसकी तलाश की जा रही है।दसवीं की छात्रा ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

इंदौर में कनाड़िया थाना क्षेत्र में दसवीं की छात्रा ने नाराज होकर जान दे दी। उसने गुस्से में रूम बंद किया और फांसी लगा ली। पुलिस ने मर्ग कायम किया है। घटना बिचौली मर्दाना स्थित श्रीजी वैली कालोनी की है। 16 वर्षीय स्नेहा सुदामासिंह के शव का पोस्ट मार्टम करवाया गया है। पुलिस के मुताबिक स्नेहा को बुधवार देर रात स्वजन अस्पताल ले गए थे। डॉक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। सुदामासिंह बिल्डिंग मटेरियल का कारोबार करते हैं।

परिवार को शादी में भेजकर फांसी लगाई

इंदौर के मूसाखेड़ी क्षेत्र में भी 45 वर्षीय सतीश जामसिंह ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। आजाद नगर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। एमवाय अस्पताल में उसके शव का पोस्ट मार्टम करवाया गया है। पुलिस के मुताबिक स्वजन ने बताया बुधवार रात सतीश के स्वजन शादी में गए थे। वापस भील कॉलोनी लौटे तो सतीश ने दरवाजा नहीं खोला। दरवाजा तोड़ कर अंदर घुसे लेकिन सतीश फांसी लगा चुका था।

इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी के माध्यम से हम इस समाचार को निरंतर अपडेट कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश में अगले 24 घंटों में 3 शहरों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना

भोपाल। मध्य प्रदेश में इन दिनों मौसम का मिला जुला असर देखने को मिल रहा है। दिन के समय जहां गर्मी का अहसास शुरू हो गया है वहीं सुबह और रात के समय अभी भी ठंड का असर कायम है।

आज 5 फरवरी की सुबह से ही मध्य प्रदेश के कई शहरों में ठंडी हवाएं चल रही हैं। इसके चलते लोगों ने फिर से ठिठुरन महसूस की। कहा जा सकता है कि बसंत पंचमी के बाद भी अभी सर्दी का मौसम पूरी तरह से बीता नहीं है।इस बीच मौसम के जानकारों का ताजा अनुमान है कि अगले 24 घंटों में प्रदेश का मौसम बदल सकता है। कुछ शहरों में गरज और चमक के साथ बारिश भी हो सकती है।

प्रदेश का मौसम मंगलवार को मिलाजुला रहा। तीखी धूप की वजह से पूर्वी इलाकों के अधिकतम और न्यूनतम तापमान बढ़े हैं, लेकिन पश्चिमी इलाकों में धूप-छांव की वजह से तापमान में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ। हालांकि भोपाल और इंदौर में रात के तापमान में जरूर मामूली गिरावट आई है। इसकी मुख्य वजह पश्चिमी विभोक्ष है, जो द्रोणिका के रूप में पाकिस्तान पर है।मध्य प्रदेश में दिन गर्म होते जा रहे हैं। सोमवार को इस मौसम में पहली बार तापमान 34 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। मंडला और सिवनी सबसे ठंडे स्थान रहे, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत 14 शहरों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। हालांकि, अगले दो दिनों में तापमान में फिर गिरावट आ सकती है।मौसम विभाग के अनुसार फरवरी में ठंड का एहसास सिर्फ सुबह और रात में ही होगा। 20 फरवरी के बाद ठंड और कम हो जाएगी। सोमवार को ग्वालियर-चंबल और उज्जैन संभाग के कुछ जिलों में कोहरा छाया रहा और मंगलवार को भी कोहरा छाया रह सकता है।इसके अलावा उत्तर पश्चिमी राजस्थान पर प्रेरित चक्रवात बना रहा है। वहीं दक्षिण राजस्थान के ऊपर हवा में एक चक्रवात है और अरब सागर से आद्रता भी मिल रही है।

डिंडौरी जिले में आपसी विवाद में डंडे से पीट-पीटकर कर बुजुर्ग की हत्या

डिंडौरी। डिंडौरी जिले के समनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिंघपुरी में आपसी विवाद के चलते 60 वर्षीय एक वृद्ध की कुछ लोगों द्वारा लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना मंगलवार की रात 8ः30 से 9 बजे के बीच के की बताई जा रही है।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर मर्ग कायम किया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की जा रही है। एफएसएल टीम भी बालाघाट से आई और जांच में जुट गई है।पास ही रहने वाले ने बुजुर्ग को पीटा

थाना प्रभारी कमलेश धूमकेती ने बताया कि स्वरूप दास बघेल पिता दबलू बघेल को पास में ही रहने वाले दलवीर मरावी, अश्विनी और उनकी पत्नियों द्वारा गाली गलौज कर लाठी डंडा से बुरी तरह पीट गया।

पिटाई से बुजुर्ग को गंभीर चोट आई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई है। सभी पांच संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद ही मामले में स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

किस कानून में लिखा है सीएम के कार्यक्रम के लिए निगमायुक्त बसों में डीजल भरवाएं

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने सवाल किया है कि किस कानून में यह प्रविधान है कि मुख्यमंत्री के सम्मानार्थ आयोजित कार्यक्रम के लिए निगमायुक्त बसों में डीजल भरवाएं।

इस सिलसिले में जबलपुर के कलेक्टर शपथ पत्र पर अपना जवाब प्रस्तुत करें। कोर्ट ने प्रथमदृष्टया सार्वजनिक धन के गोलमाल के आरोप को गंभीर प्रकृति का निरुपित करते हुए यह निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी सुगम चंद्र जैन की ओर से आरोप लगाया गया है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम के लिए अधिग्रहित की गई बसों में भरे गए डीजल का अब तक भुगतान नहीं किया गया है।याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता को अवगत कराया गया कि डीजल भरने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कोई आदेश जारी नहीं किया गया था। इस संबंध में नगर निगम आयुक्त की ओर से मौखिक आदेश जारी किए गए थे। हाई कोर्ट ने इस जानकारी को अभिलेख पर लेकर स्पष्टीकरण तलब कर लिया है।पेट्रोल पंप से भरवाया गया छह लाख का डीजल

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आशीष रावत ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आइएसबीटी बस स्टैंड के समीप याचिकाकर्ता का पेट्रोल पंप है। मुख्यमंत्री के सम्मान में तीन जनवरी, 2024 को जबलपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

कार्यक्रम के लिए अधिग्रहित बसों में डीजल भरने के लिए नगर निगम आयुक्त ने खाद्य अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से भेजा था। अधिग्रहित बसों में लगभग छह लाख रुपये का डीजल उनके पेट्रोल पंप से भरा गया था। डीजल का भुगतान न होने के कारण उन्होंने निगमायुक्त से संपर्क किया। निगमायुक्त द्वारा बताया गया कि संयुक्त कलेक्टर व जिला आपूर्ति अधिकारी के कार्यालय की ओर से बसों में डीजल भरवाने कहा गया था।

याचिकाकर्ता अब याचिका वापस लेने का हकदार नहींयाचिकाकर्ता ने अगस्त, 2024 को बिल भुगतान के लिए संयुक्त कलेक्टर व जिला आपूर्ति अधिकारी व निगमायुक्त से संपर्क किया।

शिवपुरी जिले में कांग्रेस नेता के करीबी सरकारी टीचर के घर ईओडब्ल्यू का छापा

शिवपुरी। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने बुधवार सुबह 6 बजे शिवपुरी जिले के भौंती में सरकारी शिक्षक के निवास पर छापा मारा। टीम ने यहां पहुंचने के बाद बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन के साथ ही घर में मिले जमीन संबंधित दस्तावेज की जांच में जुटी हुई है। टीम ने यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की है।

दरअसल वर्ग तीन के शासकीय शिक्षक सुरेश सिंह भदौरिया के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत ईओडब्ल्यू में दर्ज कराई गई थी। टीम ने पहले तो अपने स्तर पर होमवर्क किया। जिसमें पता चला कि शासकीय शिक्षक होने के साथ ही सुरेश सिंह अन्य व्यवसाय से भी जुड़े रहे हैं। केपी सिंह के नजदीकी माने जाते हैं कुछ समय पहले तक वह एक शासकीय उचित मूल्य की दुकान का संचालन भी कर चुके हैं, साथ ही जमीनों के धंधे से भी जुड़े रहे हैं। कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री केपी सिंह के नजदीकी माने जाते हैं। मूलतः भिंड के रहने वाले हैं, बाद में भौंती में आकर रहने लगे।टीम कर रही दस्तावेजों की जांच पूरे होमवर्क के बाद टीम बुधवार को इनके घर पर छापा मारने पहुंची। टीम ने घर पहुंचने के बाद अलमारियां खंगालना शुरू की और जमीन, आय, लेनदेन और बैंक का पूरा बहीखाता खंगालना शुरू कर दिया है। टीम इन तमाम दस्तावेजों की जांच में जुटी हुई थी।जमीन पर कब्जे पर प्रयास किया था शासकीय शिक्षक सुरेश सिंह भदौरिया कुछ समय पहले भौंती थाने की जमीन पर भी कब्जे का प्रयास किया था। कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया, लेकिन वहां से केस हार चुके हैं। अब प्रशासन मौके से अतिक्रमण हटाने की तैयारी कर चुका है।

सभी राजस्व अधिकारी पूर्ण लगन एवं मेहतन से ईमानदारी के साथ सुचितापूर्वक कार्य करें- कलेक्टर आशीष सिंह

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज यहां सभी अपर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी पूरी लगन, मेहनत, ईमानदारी, कर्मठता के साथ सुचितापूर्वक पारदर्शी रूप से कार्य करें। सभी अधिकारी राजस्व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में करें। अपने कर्तव्यों के निर्वहन में किसी भी तरह की लापरवाही तथा उदासिनता नहीं बरतें। उदासिनता और लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी। लापरवाही तथा उदासिनता बरतने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्री रोशन राय, श्री राजेन्द्र रघुवंशी, श्रीमती निशा डामोर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने विवादित तथा अविवादित नामांतरण और बटवारा, सीमांकन के लंबित प्रकरणों के निराकरण की अधिकारीवार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी राजस्व प्रकरण निर्धारित समय-सीमा में निराकृत किया जाये। ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये जिससे कि आवेदकों को परेशान नहीं होना पड़े। उनका कार्य सहजता के साथ पारदर्शीय रूप से हो। उन्हें अपने कार्यों के लिये भटकना नहीं पड़े। उन्होंने निर्देश दिये कि पटवारी सप्ताह के निर्धारित दिनों में एक निश्चित पंचायत में उपस्थित रहें, ऐसी व्यवस्था बनाई जाये। यह तय किया जाये कि पटवारी प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार और गुरूवार को एक निश्चित पंचायत में पूरे दिन कार्यालयीन समय में मौजूद रहे और आवेदकों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन पर नियंत्रण भी रखें, जिससे कि वे अनुशासित होकर आमजन के कार्य सहजता के साथ करें। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी अधिकारी आरसीएमएस पोर्टल में राजस्व प्रकरण अनिवार्य रूप से दर्ज करें। कोई भी प्रकरण दर्ज होने से वंचित नहीं रहे। अगर एक प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल में दर्ज होने के बगेर पाया जाता है तो संबंधित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। राजस्व प्रकरण समय-सीमा में निराकृत किये जाये।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये परिवहन विभाग की सराहनीय पहल

इंदौर। परिवहन विभाग के प्रयासों से मंगलवार को इंदौर शहर को 34 महिला ड्रायवर मिली हैं। एक माह के प्रशिक्षण के बाद इन्हें मंगलवार को प्रमाण पत्र दिए गए। अब शहर में कुल 434 महिला ड्रायवर मिल चुकी हैं। एआरटीओ श्रीमती अर्चना मिश्रा ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा 6 जनवरी से 30 दिवसीय महिलाओं का निश्शुल्क ड्राइविंग ट्रेनिंग कैंप लगाया गया था। जिसका समापन मंगलवार को हुआ। यह इस तरह की 12वीं बैच थी। चयनित महिलाओं का प्रशिक्षण शासकीय ड्राइवर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट इंदौर में हुआ। एक माह तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 34 महिलाओं ने एक माह तक ड्राइविंग प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसमें थ्योरी एवं प्रैक्टिकल भी सम्मिलित था। समापन के अवसर पर सभी को प्रमाण पत्र दिए गए। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षणरत महिलाओं ने अपने विचार व्यक्त किए तथा इस प्रशिक्षण को उनकी लिए बहुत उपयोगी एवं आत्मविश्वास बढ़ाने वाला बताया। महिलाओं ने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला है। हम विभाग से अनुरोध करते हैं कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी संचालित करते रहे।

एआरटीओ श्रीमती मिश्रा ने बताया कि अब तक हम कुल 434 महिलाओं को इस तरह से प्रशिक्षण दे चुके हैं। जिसमें से 15 महिलाएं चालक की नौकरी विभिन्न संस्थानों में कर रही है। वहीं 27 महिलाओं को हमने 25 हजार की मदद कर ई रिक्शा दिलवाए हैं। जिससे वे अब अपने परिवार का पालन ई रिक्शा चलाकर कर रही है। पहले यही महिलाएं छोटे मोटे काम कर अपना जीवन यापन कर रही थी। इस अवसर के डीटीआई के प्राचार्य श्री जी एस शाजापुरकर, प्रभारी श्री निखिल पंडित, उप प्राचार्य जी आर अम्बोदिया, श्री शरद शर्मा, श्री सीताराम रावत, श्री कृपाशंकर सक्सेना, श्री आर आर तिवारी एवं अन्य प्रशिक्षक भी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में सैकड़ों आवेदकों की सुनी गई समस्या- मौके पर किया गया आवेदनों का निराकरण

इंदौर। प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई संपन्न हुयी। इस जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल,श्री राजेंद्र रघुवंशी सहित अन्य अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं का मौके पर ही यथा संभव निराकरण किया।

जो समस्या निराकृत नहीं हो सकी उनके निराकरण के लिये समय-सीमा तय कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में आज भी दिव्यांगों की समस्याओं को विशेष रूप से सुना गया। जनसुनवाई में आज लोगों ने आवास, इलाज, शिक्षा और रोजगार के लिए मदद संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में लोगों ने सम्पत्ति विवाद, पारिवारिक विवाद, कॉलोनियों में प्लाट नहीं मिलने आदि के संबंध में भी आवेदन दिये। जनसुनवाई में सैंकड़ों नागरिकों की समस्याओं का सुनकर उनका निराकरण किया गया। जरूरतमंद व्यक्तियों को इलाज की तत्कालिक सहायता के रूप में रेडक्रास से आर्थिक मदद भी दी गई।

मात्र 150 रूपये डायलिसिस की सुविधा

इन्दौर। इंदौर जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में रेडक्रास के माध्यम से जरूरतमंदों के लिये विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है। इसी सिलसिले में डायलिसिस एवं थैलेसिमिया से पीड़ित मरीजों के उपचार के लिये प्रकल्प सुश्रुत रेडक्रॉस के तहत डायलिसिस एवं थैलेसिमिया सेंटर चलाया जा रहा है। इस सेंटर में मात्र 150 रूपये डायलिसिस की सुविधा मरीजों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। यह सेंटर श्री कल्याणमल बद्रीप्रसाद गर्ग परमार्थिक ट्रस्ट द्वारा संचालित है। अधिक जानकारी के लिये फोन नम्बर 0731-4963159 पर संपर्क किया जा सकता है।

एक आरोपी को जिलाबदर करने के आदेश जारी

इन्दौर। इंदौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। इस सिलसिले में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने एक आरोपी को जिलाबदर करने के आदेश जारी किये है। जारी आदेशानुसार किशनगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले राहुल पिता तोताराम पटेल को जिलाबदर किया गया है। इसे आगामी 06 माह की कालावधि के लिए इन्दौर जिला एवं उससे लगे हुए अन्य सीमावर्ती जिले उज्जैन, देवास, धार, खरगोन एवं खण्डवा जिले की राजस्व सीमा से बाहर जाने के आदेश जारी किये गए है।

किसानों के कल्याण के लिये कृत संकल्पित म.प्र. सरकार

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार निरंतर किसानों के कल्याण के लिये कृत संप्लपित होकर कार्य कर रही है। सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ज्ञान से ध्यान पर फोकस करते हुए 4 मिशन के क्रियान्वयन पर जोर दिया है। जल्द ही प्रदेश में किसान कल्याण के लिये मिशन भी प्रारंभ होने वाला है। वर्तमान में किसानों के कल्याण की विभिन्न योजनाएँ संचालित हो रही है। प्रदेश के कृषकों की सहायता के लिये मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना लागू की गई है। योजनांतर्गत कृषकों को आंशिक अपंगता के लिये 50 हजार रूपये की सहायता प्रदान की जाती है। स्थायी अपंगता पर एक लाख रूपये एवं मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये प्रदान किये जाते है। साथ ही अंत्येष्टि के लिये 4 हजार रूपये की सहायता दिये जाने का प्रावधान है।

दूध विक्रेताओं को फैट (वसा) मापक यंत्र प्रतिष्ठान पर रखना अनिवार्य

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने इन्दौर जिले में अपमिश्रित व मिलावटी दूध के उपयोग से होने वाले संक्रामक रोगो की रोकथाम, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से अपमिश्रित एवं मिलावटी दूध के विक्रय की रोकथाम एवं उस पर नियंत्रण के मद्देनजर भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। इस आदेश के अनुसार दूध में मिलावट की पहचान हेतु प्रत्येक दूध विक्रेता को फैट (वसा) मापक यंत्र प्रतिष्ठान पर अनिवार्य रूप से रखना होगा। जारी आदेशानुसार इन्दौर जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में समस्त दुग्ध विक्रेता/डेयरी संचालक अपने प्रतिष्ठान में फैट (वसा) एवं एस.एन.एफ. मापक यंत्र अनिवार्य रूप से रखना होंगे। समस्त दुग्ध विक्रेता/डेयरी संचालक विक्रय किए जा रहे दूध में फैट एवं एस.एन.एफ. की खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 के अनुसार निर्धारित/मानक मात्रा एवं वर्तमान दुग्ध पदार्थ में उपस्थित मात्रा को इलेक्ट्रानिक रूप से डिस्प्ले पर अथवा सूचना पटल पर लिखकर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करेंगे।

विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर योद्धाओं का किया गया सम्मान

इंदौर। प्रतिवर्ष 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करना एवं बेहतर चिकित्सा प्रदान करना है। शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में आरोग्य भारती के सहयोग से विश्व कैंसर दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दिपपाल धारकर सर्जिकल ऑकोलॉजिस्ट एवं फाउंडर इंडियन इंस्टीट्यूट आफ हेड एंड ऑकोलॉजी, विशेष अतिथि डॉ. एस एस नैय्यर ऑकोलॉजिस्ट, सीईओ रमन फाउंडेशन कैंसर केयर ट्रस्ट एवं वक्ता के रूप में डॉ. अखलेश भार्गव, विभाग अध्यक्ष शल्य तंत्र एवं संचालक आयुर्वेद कैंसर यूनिट शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अजीत पाल सिंह चौहान, प्रधानाचार्य द्वारा की गई। कार्यक्रम में आरोग्य भारती इंदौर महानगर के कार्य अध्यक्ष वैद्य लोकेश जोशी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान धन्वंतरि की वन्दना से की गई। प्राचार्य द्वारा तुलसी के पौधे देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। अतिथियों ने अपने व्याख्यान में बताया कि कैंसर में जागरूकता की बहुत आवश्यकता है एवं सभी चिकित्सा पद्धतियों के सहयोग से कैंसर के मरीजों को जल्दी लाभ पहुंचाया जा सकता है। इस बार विश्व कैंसर दिवस की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक रखी गई है, जिसमें कैंसर रोगियों के इलाज के दौरान उनके अनुभव एवं कहानियों को केंद्र में रखा गया है। कार्यक्रम में कैंसर रोगियों ने भी अपने विचार रखें। इस अवसर पर कैंसर की लड़ाई लड़ चुके एवं स्वस्थ हो चुके कैंसर योद्धाओं का एवं उनके परिवार जनों का कैंसर योद्धा सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता वर्मा के द्वारा किया गया। कन्वेयर के रूप में डॉ. शेखर पटेल उपस्थित थे। डॉ. आशीष तिवारी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर, डॉक्टर एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे। कार्यक्रम के पश्चात डॉक्टर्स ने कैंसर के प्रति अपनी शंकाओं का समाधान किया।

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने पद्मश्री सम्मान के लिये नामांकित कबीर गायक श्री भेरूसिंह चौहान का किया सम्मान

इंदौर। भारत सरकार के प्रतिष्ठित सम्मान पद्मश्री के लिये नामांकित निर्गुण लोक/कबीर गायक श्री भेरूसिंह चौहान बहुत अच्छा और कर्णप्रिय कबीर गायन करते हैं। उनका संत कबीर के प्रति गहरा समर्पण है। वे मालवा के प्रसिद्ध लोक/कबीर गायक है। ऐसे गायक को भारत सरकार का प्रतिष्ठित सम्मान पद्मश्री के लिये नामांकित होना केवल इंदौर के लिये ही नहीं मध्यप्रदेश और देश के लिये भी गर्व की बात है। यह बात संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने निर्गुण लोक/कबीर गायक श्री भेरूसिंह चौहान का सम्मान करते हुए कही। संभागायुक्त श्री सिंह ने पद्मश्री के लिये नामांकित श्री भेरूसिंह चौहान का सम्मान शाल-श्रीफल और पुष्पगुच्छ से किया और उन्हें बधाई दी। इस मौके पर कबीर गायक श्री नानूराम विशेष रूप से मौजूद थे।

संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि मालवा क्षेत्र कलाकारों की भूमि है। यहां कई कलाकार हुए जिन्होंने अपनी कला से मालवा का मान-सम्मान बढ़ाया। मुझे विश्वास है पद्मश्री के लिये नामांकित श्री भेरूसिंह चौहान निर्गुण लोक/कबीर गायन को जन-जन तक पहुंचायेंगे।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत राजोदा जेल देवास में गोबर धन का उपयोग कर बायोगैस संयंत्र को किया स्थापित

बायोगैस संयंत्र से प्रतिदिन 20 किलोग्राम गैस का किया जा रहा है उत्पादन

उज्जैन । उज्जैन संभाग के देवास जिले में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अभियान के तहत लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र स्वच्छ एवं सुंदर दिखाई दे रहे हैं। देवास के राजोदा जेल में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के घटक गोबरधन का उपयोग कर गो-पालन एव पशु संवर्धन बोर्ड, पशु पालन एवं डेयरी विभाग भोपाल द्वारा बायोगैस संयंत्र निर्माण किया गया। इसके प्लांट की डिजाइन फ्लोटिंग डोम है, क्षमता 45 घन मीटर, लागत 38.58 लाख (आगामी 02 वर्ष का निर्माण कंपनी द्वारा सहित) है। इसका उपयोग संयंत्र द्वारा उत्पादित बायोगैस से उप जेल राजोदा,

देवास में संचालित रसोई में भोजन पकाने हेतु ईंधन के रूप में किया जा रहा है।

गोबरधन योजना स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वीकृत परियोजना है जिसका उददेश्य जैविक एवं ठोस अपशिष्ट का उपयोग कर जैविक खाद निर्माण कर निष्पादन किया जाना है। जेल राजोदा देवास द्वारा 201 से अधिक गौवंश का पालन किया जा रहा है। गौवंश से प्राप्त गोबर एवं कृषि अपशिष्ट का उपयोग बायोगैस संयंत्र में किया जा रहा है। गोबरधन योजना अंतर्गत निर्तित 45 क्यूबीक मीटर क्षमता के एकीकृत बायोगैस संयंत्र से लगभग 1.5 घरेलू गैस सिलेंडर का प्रतिदिन उत्पादन हो रहा है, जिसका उपयोग उप जेल, ग्राम राजोदा की रसोई में भोजन पकाने हेतु किया जा रहा है, जिससे लगभग 30-35 हजार रूपये प्रतिमाह की बचत की जा रही है। संयंत्र से उत्पादित स्लरी से ठोस एवं द्रव्य को अलग कर ठोस स्लरी से वर्मी खाद का निर्माण किया जा रहा है, जिसे स्थानीय स्तर पर जेल परिसर/अन्य स्थानों पर उपयोग किया जा रहा है।

कृषि उपज मंडी में हमाला तुलावती मजदूरों ने अपने वेतन को लेकर किया प्रदर्शन

वेतन में 1 रुपया बोरी बराने की मांग

उज्जैन। कृषि उपज मंडी में काम करने वाले मजदूर ने वेतन पिछले 5 वर्षों में 1 रुपया भी नहीं बढ़ने से मजदूर ने नाराज होकर प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन से इस और ध्यान देने की बात कही साथ ही उनकी मांग पूरी नहीं करने की स्थिति में उन्होंने चक्का जाम भूख हड़ताल जैसी गतिविधियां करने की बात कही है। हमाला तुलावती एकता फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष शेर खान भाई ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषि उपज मंडी में 1500 से अधिक मजदूर काम करते हैं जिन्होंने 5 साल में व्यापारियों के दफ्तर के कई चक्कर लगाए कई बार प्रशासन को भी इस बारे में अवगत कराया लेकिन एक रुपैया भी मजदूरी में बढ़ोतरी नहीं की गई। हमाला तुलावती को पिछले 5 वर्ष में एक बार भी मंडी क्षेत्र में काम करने वाले मजदूर का मानदेय नहीं बढ़ा है। जिसको लेकर सभी मजदूर वर्ग के लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। मजदूरों का कहना है कि आने वाले समय में अगर प्रशासन हमारी इस समस्या पर ध्यान देकर एक रुपए में वृद्धि नहीं करता है तो आने वाले समय में हम वह करताल चक्का जाम जैसे कदम उठाकर अपनी मांग मनवाने पर मजबूर हो जाएंगे। व्यापारियों को सस्ते दामों में मजदूर मिल जाते हैं इसलिए वह रविवार हो या रात 24 घंटे सातों दिन काम करवाते हैं और उसका उचित दाम भी नहीं देते।

मां नर्मदा का पूजन कर सवा क्विंटल दूध से मां शिप्रा का अभिषेक किया गया

उज्जैन। छोटा पुल शनि मंदिर के पास नर्मदा जयंती के अवसर पर मानव सेवा संस्था द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिप्रा नदी में मां नर्मदा का पूजन किया गया और नर्मदा जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के संयोजक दीपेंद्र सरसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिप्रा नदी पर मां नर्मदा की पूजन कर सवा क्विंटल दूध से मां शिप्रा का अभिषेक किया गया।

रविदास मंदिर को तोड़ने की घटना पर रविदास समाज ने जताई नाराजगी

उज्जैन। शंकरपुर वार्ड क्र.40 में स्थित रविदास मंदिर को पटवारी द्वारा गलत तरीके से तोड़ने की घटना पर रविदास समाज के लोगों ने अपनी नाराजगी जताई है। रविदास समाज के संभागीय अध्यक्ष मनोहर सुरेश कुशवारिया एवम कैलाश चन्द राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर पिछले 15 वर्षों से बना हुआ था और इसे गलत तरीके से तोड़ दिया गया है। इस मामले में रविदास समाज के लोगों ने कलेक्टर कार्यालय पर पहुंचे जहां पर पटवारी के खिलाफ कार्रवाई करने और मंदिर को पुनः उसी जगह पर स्थापित करने की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया गया है। 2 दिन में हमारी मांग नहीं मानी गई तो रविदास समाज द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। संभागीय अध्यक्ष का कहना है कि भूमि के एक हिस्से में अवैध फैक्ट्री का हिस्सा भी आता है, जिसे नहीं तोड़ा गया है। संत रविदास की जयंती पर आयोजन किया जाना था, लेकिन पटवारी द्वारा भू माफियाओं के दबाव में मंदिर को तोड़ दिया गया है। उन्होंने इस घटना की निंदा की है और न्याय की मांग की है। इस मामले में रविदास समाज के लोगों ने सरकार से मांग की है कि मंदिर को पुनः उसी जगह पर स्थापित किया जाए और पटवारी को इस पद से हटाया जाए। कलेक्टर के प्रतिनिधि ने ज्ञापन लेकर रविदास समाज के लोगों को जांच करने का आश्वासन दिया है।

श्री वरूणदेव अखण्ड ज्योति मंदिर में श्री झूलेलाल भगवान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ

उज्जैन। श्री वरूणदेव अखण्ड ज्योति मंदिर में श्री झूलेलाल भगवान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 5 फरवरी से प्रारंभ हुआ।

मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी के अनुसार 3 दिवसीय श्री झूलेलाल भगवान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 7 फरवरी तक चलेगा। मंदिर के अध्यक्ष मोहन वासवानी के मार्गदर्शन में सिंधी समाज के इष्ट देवता भगवान झूलेलाल गीता कॉलोनी के नए मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी। 5 फरवरी बुधवार को महेश परियानी चदीराम जेठवानी, जयकिशन राजवानी, किशन देवनानी, हरीश आडवाणी, लोकेश आडवाणी, मोहन वासवानी, नारायणदास नरसिंघानी, राजकुमार परसवानी, राजेश नाथानी, विक्की सूर्यवंशी, पवन खूबानी, मनीष तेजवानी, दीपक राजवानी, गोपाल बलवानी, धर्मेंद्र खूबचंदानी, गोपाल राचवानी, दीपक बेलानी, राधिका दादवानी, सोनिया नाथानी, वर्षा आडवाणी, भावना तोलानी, चाँदनी तोलानी द्वारा गणेश पूजन, कलश स्थापना, मण्डल पूजन जलाधिवास, धान्याधिवास, फलाधिवास, फूलाधिवास शय्याधिवास किया गया। आज 6 फरवरी गुरूवार को शोभा यात्रा (सांई शेहरावाले सांई) दोप. 3 बजे से डगरवाड़ी मंदिर से टंकी चौराहा, मिर्जा नईमबेग मार्ग, तेलीवाड़ा निकास चौराहा होते हुए नवीन मंदिर परिसर गीता कॉलोनी पर समापन होगा। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पूजन प्रातः 8 बजे से, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा 12.19 से 1.04 बजे तक, पूर्णाहुति महाआरती एवं प्रसाद दोप. 3 बजे होगा। 7 फरवरी शुक्रवार को बहराणा साहेब सायं 5 से 8 बजे तक, महाप्रसादी रात्रि 8 बजे से होगी। गीता कॉलोनी में नये परिक्षेत्र में नवीन परिवेश में मनाये जाने वाले भगवान श्री झूलेलाल जी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सभी से पधारकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध किया है।

बोहरा बाखल हकीमी मोहल्ला में छात्रों को बताए फ्रॉड से बचने के उपाय

उज्जैन। मध्य प्रदेश पुलिस का सायबर अपराधों के प्रति जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत, उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देशानुसार खाराकुआँ थाना प्रभारी राजकुमार मालवीय ने अपने थाना स्टॉफ के साथ बोहरा बाखल हकीमी मोहल्ला में छात्रों को आए दिन घटित होने वाले विभिन्न प्रकार के सायबर अपराधों के प्रति सावधानी बरतने के साथ अनजान कॉल से व फ्रॉड से बचने के उपाय के साथ जानकारी दी।

थाना प्रभारी राजकुमार मालवीय ने छात्रों को बताया कि किसी भी फ़र्जी लिंक को क्लिक ना करें यदि आपके घर परिवार में किसी तरह का फ़र्जी कॉल आये या वीडियो कॉल पर कहे की आपके लड़के को या परिवार के किसी भी सदस्य को अपराध के जुर्म में गिफ्तार किया गया हैं, पकड़ा गया हैं, पैसे की मांग करें तो बिलकुल ना घबराये बल्कि अपने क्षेत्रीय थाने में पुलिस को सुचना देवें एवं सायबर अपराध घटने पर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत इसकी सुचना देवें।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com